

FORM NO 111

(नियम 133)

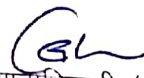
अज अदालत, उपखण्ड अधिकारी हनुमानगढ़ जिला हनुमानगढ़

अनुदान - हरबंस कौर बनाम तहसीलदार (राजस्व) हनुमानगढ़

धारा - 136 एलआरएक्ट मुकदमा नं० - 30 / 2018

तारीख हुजूर	हुकम या कार्यवाही मध्य अनिंशिल्स जज	नम्बर व तारीख अहकाम जो हुकम की तारीख में जारी हुआ।
20.2.2018	आज यह पत्रावली तहसीलदार (भू0अ0) हनुमानगढ़ से पत्र क्रमांक 3731 दिनांक 22-09-2017 द्वारा वाद जांच रिपोर्ट प्राप्त होने पर पेश हुई। पत्रावली जजे रजिस्टर हो। पत्रावली वास्ते बहस हेतु दिनांक 21.02.2018 को पेश हो।	
21.2.2018	<p>प्राथीगण के अधिवक्ता की बहस सुनी गई। पत्रावली का अवलोकन किया गया। पत्रावली पर तहसीलदार (भू0अ0) हनुमानगढ़ से पत्र क्रमांक 3731 दिनांक 22-09-2017 द्वारा वाद जांच रिपोर्ट प्राप्त हुई। संक्षेप में तथ्य इस प्रकार हैं कि प्राथीगण ने प्रार्थना-पत्र अन्तर्गत धारा 136 एलआरएक्ट पेश कर निवेदन किया कि चक 40 एनजीसी के खाता संख्या-40/40 जमाबन्दी सगवत 2073-76 अजमेर सिंह पुत्र रूप सिंह 0.046 हैक्टयर दर्ज है जिसके स्थान पर सही नाम अजमेर कौर पत्नि रूप सिंह दर्ज किया जावे। आवेदन के साथ दस्तावेज मृत्यु प्रमाण-पत्र रूप सिंह व वारिसानामा रूप सिंह प्रस्तुत किया गया।</p> <p>आवेदन-पत्र की जांच हेतु तहसीलदार (भू0अ0) हनुमानगढ़ से रिपोर्ट मंगवाई गई। जिस पर तहसीलदार हनुमानगढ़ द्वारा जांच रिपोर्ट दिनांक 22-09-2017 चक 40 एनजीसी रूप सिंह की पत्नि अजमेर कौर का नाम खाता में जरिये इन्तकाल संख्या-101 अजमेर सिंह दर्ज हो गया जबकि मुताबिक वारिस प्रमाण-पत्र अजमेर कौर दर्ज किया जाना था जो कि सही है।</p> <p>पत्रावली का अवलोकन किया गया। तहसीलदार द्वारा भेजी गई पटवारी हल्का की रिपोर्ट एवं प्रार्थना-पत्र के साथ प्रस्तुत मृत्यु प्रमाण-पत्र, वारिस प्रमाण-पत्र दिनांक 24-07-2017 से यह पाया जाता है कि सहबन अजमेर कौर का नाम अजमेर सिंह कुर्सीनामा में अंकित होने से इन्तकाल व आगे के राजस्व रिकार्ड में त्रुटि हुई है। इस कारण प्राथीगण का प्रार्थना-पत्र अन्तर्गत धारा 136 एलआरएक्ट स्वीकार किया जाना न्यायोचित है।</p> <p>अतः उपरोक्त विवेचन के अनुसार प्राथीगण का प्रार्थना-पत्र स्वीकार किया जाकर तहसीलदार हनुमानगढ़ के आदेश दिये जाते हैं कि चक 40 एनजीसी के खाता संख्या-40/40 जमाबन्दी सगवत 2073-2076 में "अजमेर सिंह पुत्र रूप सिंह 0.046 हैक्टयर" के स्थान पर "अजमेर कौर पत्नि रूप सिंह 0.046 है0" दर्ज करने के आदेश दिये जाते हैं। तहसीलदार हनुमानगढ़ को पत्र जारी हो। पत्रावली फंसला शुमार होकर दाखिल दफ्तर हो।</p> <p>आदेश आज दिनांक 21.2.2018 को मेरे द्वारा लिखाया जाकर खुले न्यायालय में सुनाया गया।</p>	




 उपखण्ड अधिकारी (राजस्व)
 एवं सहायक कलेक्टर